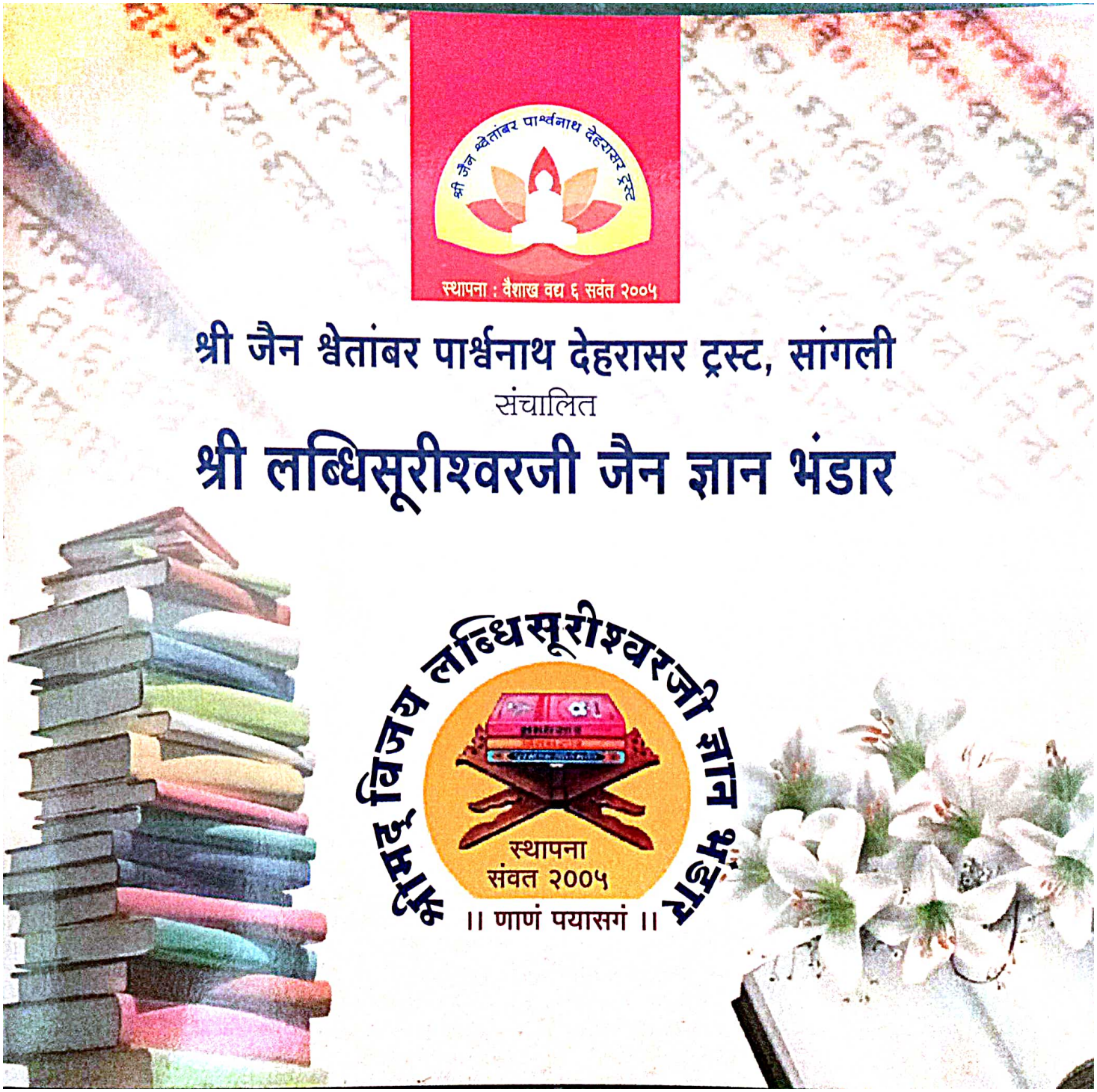
श्री जैन श्वेतांबर पार्श्वनाथ देहरासर ट्रस्ट
स्थापना : वैशाख वद्य ६ संवत २००५
श्री जैन श्वेतांबर पार्श्वनाथ देहरासर ट्रस्ट, सांगली
संचालित
श्री लब्धिसूरीश्वरजी जैन ज्ञान भंडार
श्रीमद् विजय लब्धिसूरीश्वरजी ज्ञान भंडार
स्थापना
संवत २००५
।। णाणं पयासगं ।।

सस्नेह...सानंद....सादर....आमंत्रणम्

भगवत् भक्ति से भक्ति भारत भूमि में मराठा की मर्दानगी की महीमा गाथा गाता हुआ महाराष्ट्र राज्य सरलता–सादगी–सुंदरता से झलकती सांगली नगरी से विख्यात है। जहाँ वीर सवंत २४५५, विक्रम संवत २००५, 72/73 साल पहले कविकुलकीरीट परमपूज्य आचार्यदेवेश श्रीमद् विजय लब्धिसूरीश्वरजी महाराजा के पावन करकमलोसे श्री अमिझरा पार्श्वनाथ जिनालय के प्रांगण में २३०० वर्ष प्राचीन संप्रतिकालीन महाप्रभावक श्री अमिझरा पार्श्वनाथ परमात्मा का जिनालय, श्री लब्धिसूरिश्वरजी जैन पाठशाला एवं श्री लब्धिसूरिश्वरजी जैन ज्ञानभंडार की स्थापना हुई।

कालक्रम से सतत विकास को प्राप्त करते हुए इस ज्ञानभंडार को भारतभर के 'A' कॅटॅगरी के ज्ञानभंडारोमें स्थान प्राप्त हुआ। विभिन्न आचार्य पदस्य गुरुभगवंतो के मार्गदर्शन एवं आशिर्वाद से अधिक विकासको प्राप्त करके ज्ञानसमृद्धी से हरभरा बना।

कोई दुर्भाग्यवश सन् २०१९ मे आई बाढ (पूर) मे आधे से जादा ज्ञानभंडार पाणी मे भीग गया जो सभी परळवने के कारण पूरा ज्ञान भंडार अस्तव्यस्त हो गया।

सन् २०२० में तपागच्छाधिपति प.पू. आचार्यदेवेश श्रीमद् विजय राम सूरीश्वरजी महाराजा (डेहलावाला) के विनयी शिष्यरत्न निःस्पृह शिरोमणि प.पू. आचार्य श्री जगच्चंद्रसूरीश्वरजी महाराजा के शिष्यवृंद का चार्तुमास सांगली की धन्यधरा पर हुआ। गुरुभगवंतो के अथग कठिण परिश्रम एवं ट्रस्टमंडल, श्रीसंघ के सभी सदस्यों के सहयोग से इस ज्ञानभंडार का आमूलचूल जिर्णोद्धार हुआ और आज पुनः श्री संघकी श्रुतभक्तिमें यह ज्ञानभंडार सुसज्ज होकर आपके सामने प्रस्तुत है।

समग्र भारतभर के चर्तुर्विध श्रीसंघ को इस ज्ञानभंडार में पधारने हेतु एवं श्रुतसेवा का लाभ देने हेतु सादर आमंत्रण है। अचूक एकबार अवश्य पधारने की सस्नेह विनंती।

ज्ञानभंडार मे प्राप्त सुविधाऐं एवं कुछेक विशेषताऐं इस प्रकार है।

ज्ञानभंडार की कुछ विशेषताऐं :

- जैन, हिन्दु, बौद्ध, मुस्लीम, ख्रिश्चन, शीख इत्यादी के प्रमुख धर्मग्रंथो का अद्भुत संग्रह।
- श्वेतांबर, दिगंबर, स्थानकवासी, तेरापंथी परंपरा के तथा दादा भगवान श्रीमद राजचंद्र, ब्रम्हाकुमारी, इत्यादी के धर्मग्रंन्थो का अद्वितीय संग्रह।
- जैन, वेदांत, वैशेषिक मीमांसक, बौद्ध, सांखय, न्याय, अद्वैत आदि भारतीय दर्शन के तथा सोक्रेटीस, एरीस्टोटल, प्लुटो, लाईबनीत्झ,

ताओ आदि पाश्चात्य दर्शनकारो के दर्शनिक ग्रंथो का विशिष्ट संग्रह।

- प्राकृत, संस्कृत, हिंदी, मराठी, गुजराती, अंग्रेजी आदि भाषाओं के पुस्तकोसे समृद्ध भांडार।
- जैन इतिहास, भुगोल, आगम, कथा, तथा समाज, मॅनेजमेन्ट, फिलॉसॉफी, विज्ञान, मानवता, टीचिंग कोर्स, मोटीव्हेशन, शोधनिबंध (थीसीस), लेखसंग्रह, डिक्शनरी इत्यादि विषयों से संबंधीत सर्वजन उपयोगी पुस्तकोंका अभूतपूर्व संग्रह।
- जैन शासन के प्रायः तमाम समुदाय के शासन प्रभावक आचार्य, पंन्यास मुनिभगवंतो, साध्वीजी, आर्या, महासतीजीओ के तथा विद्वान पंडितवर्यो के द्वारा लिखीत, संपादित, संशोधित पुस्तकोका बेनभून संग्रह।
- श्री श्री रविशंकर, आनंदमूर्ति माँ, सीस्टर शिवानी, स्वामी सच्चीदानंद, सरश्री, रोबीन शर्मा, रोन्डा बर्न, देवदत्त पटनायक, सुधामूर्ति, रजनीश ओशो, पुष्पक गोकाणी, जोसेफ मर्फी आदी वर्तमानकालीन सुप्रसिद्ध लेखकोंद्वारा लिखित पुस्तकोंका समन्वय।
- ज्ञानभंडार संस्थापक पूज्य गुरुभगवंत की पुण्यवंत प्रतिमा तथा उनका शासन प्रभावक परिचय करानेवाले, ४५ आगम का चित्रपट, सांगली के दीक्षीत संयमीरत्नों की नामावली, पूर्वकालीन महापुरुषोंकी श्रृतसंरक्षण की कीर्तीगाथा गानेवाले विविध नयनानंद आकर्षक चित्रपटों की सजावट....

ज्ञानभंडार में प्राप्त आकर्षक तथा सुलभ सुविधाऐं : -

- पूज्य गुरुभगवंतो के मार्गदर्शन अनुसार संग्रहीत अनुपम श्रुतरत्नाकर.
- Educated Librarian द्वारा श्रुतसेवा
- पुस्तकों के नाम, लेखक, प्रकाशक,भाषा,विषय आदि द्वारा Search करने की Computerized facility.
- वार्षिक Membership Fees मात्र रु. १००/-
- बच्चों, युवाओं, अभ्यासु, जिज्ञासु वर्ग को वांचन हेतु, साक्षात् माँ सरस्वती की नयनरम्य प्रतिमा के सामने । एकाग्रता वृद्धी करनेवाला शांतिमय वातावरण, एवं Study table, open library, self book choice की व्यवस्था ।
- १५ वर्ष से कम उम्रवाले बालवाचकों के लिए विशेष सुविधाए एवं इनामी योजना
- वर्तमानकालमें (PDF Files) अत्यंत प्राचीन अप्राप्य अभ्यास ग्रंथ की १५०० से अधिक soft copy.

- ४५ आगमो की मूल, निर्युकित, भाष्य, चूर्णि, टीका तथा अनुवाद की soft copy (PDF File)
- अभ्यास योग्य ग्रंथ/पुस्तक यदि भंडार में प्राप्त न हों, तो मांग के अनुसार जल्द से जल्द प्राप्त करवाने हेतु एवं ज्ञानभंडार की व्यवस्था, सुरक्षा करने हेतु श्रावकोंकी Alert Team.
- घरबैठे Online बुक search करने की सुविधा । (Playstore में जाके shrutsangam ॲप डाऊनलोड करें)
- श्रृतसंगम, मुंबई के भारतभर के ज्ञानभंडार की सुची में शामिल

Note : बाहरग्रामस्थित साधु साध्वीजी भगवंतो को पुस्तकादी भिजवाने की सुविधा भी उपलब्ध है।

श्री जैन श्वेतांबर पार्श्वनाथ देहरासर ट्रस्ट, सांगली

अध्यक्ष : श्री. सुभाष मोतीचंद शाह
98233 11288

उपाध्यक्ष : श्री. जतिन शांतिलाल शाह
98231 44269

सेक्रेटरी : श्री. जितेंद्र शांतिलाल जैन (नाणेशा)
94220 40097

एवम् ट्रस्ट मंडल

श्री लब्धिसूरीश्वरजी जैन ज्ञान भंडार
ग्रंथ भंडार कमिटी

रोहनभाई	जिग्नेशभाई
94220 41416	94238 71901
सागरभाई	सुशीलभाई
93721 45002	94232 72113
अनुपभाई	अविनभाई
98817 28848	9423872271

एवम् कमिटी सदस्य

69-अ,महावीर नगर, सांगली ४१६ ४१६,
✆ (0233) 2621117 ⊙ amizaraparshwa.sangli@gmail.com

printplussangli@gmail.com 0233-2621777